

## विभिन्न प्रबंधन प्रणालियों के अंतर्गत नीपको की मान्यता की स्थिति

नीपको ने अपने कार्यालयों, स्टेशनों और परियोजनाओं के लिए आईएसओ 9001:2015 (गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली या क्यूएमएस), आईएसओ 14001:2015 (पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली या ईएमएस) और आईएसओ 45001:2018 (व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली या ओएचएसएमएस) के मानकों के अनुसार एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) के तहत मान्यता और पूर्ण अनुपालन हासिल किया है, जैसा कि नीचे दिया गया है:

क्रम संख्या	कार्यालय/स्टेशन/परियोजना का नाम	तक मान्य
1	कॉर्पोरेट कार्यालय, शिलांग, मेघालय	
2	291 मेगावाट असम गैस आधारित पावर स्टेशन (एजीबीपीएस), बोकुलोनी, असम	
3	135 मेगावाट अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन (एजिजीबीपीएस), रामचंद्र नगर, त्रिपुरा	03.12.2027
4	75 मेगावाट दोयांग हाइड्रो पावर स्टेशन (डीएचपीएस), दोयांग, नागालैंड	
5	डिज़ाइन एवं इंजीनियरिंग विंग, गुवाहाटी	
6	275 मेगावाट कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन (केएचपीएस), उमरौंगसो, असम	
7	405 मेगावाट पंयोर लोअर हाइड्रो पावर स्टेशन (पीएलएचपीएस), याजली, अरुणाचल प्रदेश	
8	101 मेगावाट त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन (टीजीबीपीएस), मोनारचक, त्रिपुरा	
9	कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं नवीकरणीय ऊर्जा कार्यालय, नई दिल्ली	22.12.2025
10	समन्वय कार्यालय, कोलकाता	
11	सामग्री प्रबंधन विंग, गुवाहाटी	
12	परियोजना (हाइड्रो) कार्यालय, गुवाहाटी	
13	सर्वेक्षण एवं जांच विंग/कार्यकारी निदेशक का कार्यालय (अरुणाचल), दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	
14	110 मेगावाट पारे हाइड्रो पावर स्टेशन (पीएचपीएस), दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	
15	60 मेगावाट तुइरियल हाइड्रो पावर स्टेशन (टीएचपीएस), सैपुम, मिजोरम	
16	600 मेगावाट कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन (काएचपीएस), वेस्ट कामेंग, अरुणाचल प्रदेश	24.11.2027

नीपको ने समन्वय कार्यालय, कोलकाता (जो आईएसएमएस के वृष्टिकोण से प्रमुख कार्यालय नहीं है) को छोड़कर, इन सभी स्थानों पर आईएसओ 27001:2022 मानक के अनुसार सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त कर ली है। यह प्रमाणपत्र 02.08.2026 तक मान्य है।

इसके अलावा, नीपको ने अपने 291 मेगावाट असम गैस आधारित पावर स्टेशन (एजीबीपीएस), बोकुलोनी, असम के लिए आईएसओ 50001:2018 मानक के अनुसार ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली (ईएनएमएस) के अंतर्गत मान्यता भी प्राप्त की है, जिसका चयन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), ऊर्जा मंत्रालय द्वारा किया गया है। यह प्रमाणपत्र 15.11.2026 तक मान्य है।